

नव भारत



6 कूज हादसे के पीछे आपराधिक लापरवाही



7 टॉप कंपनियों की मार्केट पूंजी में उछाल



8 सिनर ने जीता मैट्रिड ओपन खिताब



9 गोवा वेंकेशन पर बिपाशा बसु का रत्नमरस अंदाज

3 राज्यों में बीजेपी की सरकार



सुवेंदु अधिकारी (जीते)



दिलीप घोष (जीते)



रूपा गांगुली (जीती)



थलापति (जीते)



ममता बनर्जी (हारी)



सीएम स्टालिन (हारे)

केरलम और तमिलनाडु में विपक्ष की सरकार

नयी दिल्ली 4 मई. पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव की मतगणना के रूझानों में भारतीय जनता पार्टी ने तीन राज्यों में ऐतिहासिक जीत हासिल कर ली है. आजादी के बाद बंगाल में बीजेपी की पहली ऐतिहासिक जीत है. वहीं, तमिलनाडु में अभिनेता विजय के करिश्म के दम पर टीवीके स्पष्ट रूप से सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी है. जबकि केरल में वामपंथी सरकार का सफाया हो गया है. एक दशक बाद कांग्रेस के नेतृत्व में संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा की सरकार बनने की प्रबल संभावना है.

असम और पुडुचेरी में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकार की वापसी हो गई है. चुनाव आयोग के रूझानों के आंकड़ों के अनुसार भाजपा को स्पष्ट बहुमत मिल गया है. राज्य की 293 विधानसभा सीटों में से बीजेपी ने 160 सीटों पर जीत हासिल कर ली है जबकि 48 पर आगे चल रही है. वहीं टीएमसी 55 सीटों पर जीत हासिल कर 24 पर आगे चल रही है. कांग्रेस ने 2 सीटों पर जीत हासिल की है. वहीं 2 सीटों पर वामपंथी आगे है. हालांकि दो सीटों पर अन्य उम्मीदवारों ने जीत हासिल की है.

सनातन का अपमान और हिंदी से दूरी स्टालिन को ले 'डूबी'

26 का यह विधानसभा चुनाव तमिलनाडु की राजनीति में बड़े बदलाव का सूचक बना है। इस चुनाव में जनता ने मतदान के जरिए दशकों से डीएमके और एआईडीएमके के बीच राज्य की पारंपरिक सत्ता संरचना को तोड़ दिया और तमिलनाडु के राजनीतिक जमीन पर सिने स्टार और टीवीके प्रमुख थलपति विजय की शानदार एंटी का रास्ता खोल दिया। इस राज्य का रियासी समीकरण हमेशा दो सिनेमाई दिग्गजों के परिवारों के बीच ही घूमता नजर आया। एम करुणानिधि और जे. जयललिता की पार्टी द्रविड़ मुन्नेत्र कजगम (डीएमके) और ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कजगम (एआईडीएमके) के बीच ही लंबे समय से सत्ता का हस्तंतरण होता रहा।

बंगाल में 15 साल बाद ढह गया ममता बनर्जी का किला

पश्चिम बंगाल की राजनीति सोमवार एक ऐसे ऐतिहासिक मोड़ पर खड़ी है, जहां श्यामा प्रसाद मुखर्जी के घर में 74 साल बाद भगवा का रंग दिख रहा है. बंगाल में बीजेपी पूर्ण बहुमत में दिख रही है. 2026 के विधानसभा चुनावों के जो रूझान और नतीजे सामने आ रहे हैं, वे स्पष्ट संकेत दे रहे हैं कि बंगाल में "भगवा" का परचम लहराना अब लयमग तय है. सात दशकों के लंबे वैचारिक वनवास के बाद, भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जन्मभूमि ने पहली बार उनके सपना को साकार करने जा रही है. लेकिन यह जीत जितनी भव्य दिख रही है, इसका विश्लेषण उतना ही गहरा और निष्पक्षता की मांग करता है. देश के 22 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में भाजपा की सरकार है, अब 24 से 25 राज्यों में भाजपा की सरकार बन गई है.

विजय ने करिश्मा 'अकेले शेर' की तरह किया

234 सीटों वाली विधानसभा में थलपति विजय की पार्टी 'तमिलना वेंडी कजगम' (टीवीके) 107 सीटों से ज्यादा पर लीड कर रही है. यह आंकड़ा ऐतिहासिक है क्योंकि विजय ने यह करिश्मा 'अकेले शेर' की तरह किया है. उन्होंने अपनी लोकप्रियता के दम पर डीएमके के केंद्र आधारित मजबूत संगठन वाली पार्टी और दूसरी तरफ एआईडीएमके के जमीनी चैलेंज को ध्वस्त कर दिया है. विजय के पिता एस. ए. चंद्रशेखर ने बताया कि उनके बेटे के मन में पिछले तीन दशकों से समाज के लिए कुछ करने की इच्छा थी. उन्होंने कहा कि विजय ने जनता के साथ एक भावनात्मक रिश्ता बनाया है. महिलाएं उन्हें अपना बेटा मानती हैं, युवा उन्हें भाई कहते हैं और हर कोई उन्हें 'अन्ना' कहकर बुलाता है. अगर यह रुझान नतीजों में बदलता है, तो विजय का मुख्यमंत्री बनना लगभग तय माना जा रहा है.

केसरिया रंग में रंगा बंगाल, जश्न में डूबा भाजपा मुख्यालय

नई दिल्ली 04 मई. विधानसभा चुनाव की मतगणना के रूझानों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पश्चिम बंगाल में प्रचंड बहुमत के साथ सरकार बनाने देख रही है और इस जीत की खुशी यहां भाजपा कार्यकर्ताओं में दिख रही है. पूरा भाजपा मुख्यालय बंगालमय हो गया है. हर तरफ भाजपा कार्यकर्ता बंगाल में मिली ऐतिहासिक जीत की बातें करते दिखे. पार्टी मुख्यालय में बंगला गीत बजाए गये. विशेष रूप से चुनाव प्रचार के समय भाजपा द्वारा वोटों को लुभाने के लिए बनाए गए गीत बजते रहे बंगाल में मिली जीत की खुशी का इजहार करने के लिए भाजपा कार्यकर्ताओं ने यहां झालमुरी के स्टाल लगा रखे थे. झालमुरी का स्टाल लगाने वाले कार्यकर्ताओं का कहना था कि पहली बार श्यामा प्रसाद मुखर्जी की भूमि भगवा रंग में लगी है. पहली बार पश्चिम बंगाल में भाजपा की सरकार बनने जा रही है. ममता बनर्जी के शासन काल अंत हो गया है. तृणमूल कांग्रेस का जंगलराज खत्म हो गया है। अब बंगाल में विकास होगा.

एक नजर में



सुको की रजिस्ट्री खराब तरीके से कर रही काम

नई दिल्ली. सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस सुर्यकांत और जस्टिस जयमाल्य बागवी की बेंच आयुषी भित्तल की जमानत याचिका पर सुनवाई कर रही थी, तभी रजिस्ट्री की कार्यपालिका को लेकर गंभीर चूक सामने आई. सीजेआई सुर्यकांत ने सख्त टिप्पणी करते हुए कहा कि सुप्रीम कोर्ट की रजिस्ट्री बेहद खराब तरीके से काम कर रही है और यहां हर व्यक्ति खुद को सुपर चीफ जस्टिस समझ रहा है. दरअसल, अदालत ने 23 मार्च 2026 को दिए गए अपने आदेश में प्रवर्तन निदेशालय को इस मामले में पक्षकार बनाने की अनुमति दी थी. इसके बावजूद डेढ़ी को नोटिस जारी नहीं किया गया.

गुस्ताखी माफ



बोधाई हो! बाबू मोशैया !!

बंगाल अब विकास की ओर अग्रसर होगा : मोदी

जीत केवल चुनावी आंकड़े नहीं बल्कि वर्षों की मेहनत का परिणाम है

नई दिल्ली, 4 मई. पश्चिम बंगाल में ऐतिहासिक जीत के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भाजपा मुख्यालय में पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ जश्न मनाया. पीएम मोदी ने कार्यकर्ताओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि यह जीत केवल सीटों की संख्या नहीं बल्कि कार्यकर्ताओं की अडिग मेहनत का फल है. मोदी ने यह भी घोषणा की कि बंगाल की पहली कैबिनेट मीटिंग में ही आयुष्मान भारत योजना को हरी झंडी मिलेगी.

इस अवसर पर महिलाओं को सुरक्षा, युवाओं को रोजगार और पलायन रोकने के उपायों पर भी जोर दिया गया. प्रधानमंत्री ने कहा कि बंगाल अब भयमुक्त वातावरण में विकास की ओर अग्रसर होगा. उन्होंने पश्चिम बंगाल, असम और पुडुचेरी में भाजपा सरकारों की उपलब्धियों को भी याद किया और डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को नमन किया.



कार्यकर्ताओं ने उन्हें कामाख्या की तस्वीर भेंट की और नितिन नवीन को माला पहनाई.

मोदी ने कहा कि 'गंगोत्री से गंगासागर तक कमल खिला है' और देशभर में भाजपा की बढ़ती लोकप्रियता लोकतंत्र की जीत है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली स्थित पार्टी मुख्यालय में पार्टी अध्यक्ष नितिन नवीन और कार्यकर्ताओं के साथ इस महाविजय का जश्न मनाया. पीएम मोदी ने कहा कि यह जीत केवल चुनावी आंकड़े नहीं बल्कि वर्षों की मेहनत और अडिग विश्वास का परिणाम है। उन्होंने बंगाल के पहले मंत्रिमंडल की बैठक में आयुष्मान भारत योजना को मंजूरी देने की घोषणा की, जिससे राज्य में स्वास्थ्य सुविधाओं का विकास तेजी से होगा. मोदी ने कहा कि बंगाल में महिलाओं को सुरक्षा का माहौल मिलेगा, युवाओं के लिए रोजगार सृजित होंगे और पलायन की समस्या को रोकने के लिए टोस कदम उठाए जाएंगे. साथ ही, उन्होंने घुसपैठियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की बात कही.

होर्मुज में जहाजों की आवाजाही शुरू

तेहरान, 4 मई. स्टेट ऑफ होर्मुज में जहाजों की आवाजाही दोबारा शुरू होना वैश्विक स्तर पर एक बड़ी राहत के रूप में देखा जा रहा है. अमेरिकी द्वारा शुरू किए गए 'प्रोजेक्ट फ्रीडम' के तहत इस महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग से गुजरने वाले जहाजों को सुरक्षा प्रदान की जा रही है. अमेरिकी सेंट्रल कमांड के अनुसार, इस मिशन में मिसाइल डिस्ट्रॉयर, 100 से अधिक विमान, ड्रोन और करीब 15,000 सैनिक तैनात किए गए हैं. कमांडर एडमिरल ब्रैड कूपर ने इसे क्षेत्रीय सुरक्षा और वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए बेहद जरूरी बताया. अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि कई जहाज जरूरी सामान की कमी से जूझ रहे थे.



मप्र को बनाएंगे देश की मिल्क कैपिटल : सीएम डॉ. यादव

ग्वालियर, 4 मई. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि हम मध्यप्रदेश को देश का मिल्क कैपिटल बनाकर रहेंगे. इसके लिए आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल, बेहतर प्रबंधन और सभी पशुपालकों एवं दुग्ध उत्पादकों की सक्रिय भागीदारी बेहद जरूरी है. प्रदेश को मिल्क कैपिटल बनाने में ग्वालियर बड़ी भूमिका निभाएगा. मुख्यमंत्री डॉ. यादव सोमवार को यहां राज्यस्तरीय पशुपालक एवं दुग्ध उत्पादक सम्मेलन एवं संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने दीप प्रज्वलन कर सम्मेलन का शुभारंभ किया। उन्होंने पशुपालन एवं डेयरी विकास विभाग की विभिन्न योजनाओं के पात्र हितग्राहियों को हितलाभ वितरित किए और सम्मेलन में मौजूद सभी को पशुपालन एवं दुग्ध उत्पादन से जुड़कर प्रदेश को मिल्क कैपिटल बनाने में सहयोग देने का संकल्प भी दिलाया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस अवसर पर क्षेत्रीय पशुपालकों को अपने पशुधन के स्वास्थ्य एवं उपचार की स्थानीय स्तर पर सुविधा मुहैया कराने के लिए ग्वालियर में पशुओं का केयर एंड वेलनेस सेंटर खोलने, ग्वालियर के पशु स्वास्थ्य एवं उपचार केंद्र का उन्नयन करने तथा डबरा में नया पशु चिकित्सालय खोलने की घोषणा की।

वैचारिक जीत

भारतीय मतदाता जवाबदेही के नाम पर किसी भी अभेद्य दुर्ग को ढहाने की रखता है क्षमता

पांच राज्यों के चुनाव परिणाम से निकले दूरगामी संदेश

प्रवेश कुमार मिश्र नई दिल्ली, 4 मई. पश्चिम बंगाल, असम, तमिलनाडु, केरल और पुडुचेरी विधानसभा चुनाव परिणामों ने भारतीय राजनीति में एक नई पटकथा लिख दी है. पश्चिम बंगाल से लेकर तमिलनाडु तक, इस चुनाव में मतदाताओं ने न केवल सत्ता विरोधी लहर को स्वर दिया, बल्कि क्षेत्रीय राजनीति में नए चेहरों और राष्ट्रीय दलों के विस्तार को भी स्वीकार किया है.

चुनाव परिणाम बताते हैं कि जहां एक तरफ भारतीय मतदाता जवाबदेही के नाम पर किसी भी अभेद्य दुर्ग को ढहाने की क्षमता रखता है. वहीं दूसरी ओर विकास की यात्रा को सुगम आधार भी देता है. चुनाव परिणाम के बाद यह कहा जा रहा है कि जहां एक तरफ पश्चिम बंगाल में भाजपा ने एक बड़ी वैचारिक जीत हासिल करते हुए राजनीति में एक युगांतरकारी परिवर्तन का आगाज किया है, जो ग्रामीण असंतोष और मतदाता सूचियों के गहन

राजनीतिक जानकार बता रहे हैं कि बंगाल में जीत और असम में सत्ता बरकरार रखते हुए भाजपा ने मिशन पूर्वीभारत को हासिल कर पूर्वी भारत में एक बड़ी वैचारिक और राजनीतिक जीत हासिल करते हुए अपने भौगोलिक विस्तार के स्वप्न को साकार करने व विस्तारवादी यात्रा को नई ऊंचाइयों पर पहुँचाने वाला साबित किया है. जानकार बता रहे हैं कि तमिलनाडु की राजनीति में यह परिणाम ऐतिहासिक महत्व के रूप में याद किया जाएगा, जिसने न सिर्फ राज्य के पारंपरिक सत्ता समीकरणों को पूरी तरह बदल दिया है बल्कि वह राज्य, जो पिछले 50 वर्षों से द्रविड़ मुन्नेत्र कजगम यानी डीएमके और ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुन्नेत्र कजगम यानी एआईडीएमके के बीच झूलता रहा था, अब एक नए तौर पर स्वयं को स्वीकार कर चुका है. सतारूढ़ डीएमके के लिए ये नतीजें सत्ता विरोधी लहर और नए विकल्प की चाह का स्पष्ट संकेत है.

संशोधन जैसे कारकों से प्रेरित रहा है, वहीं दूसरी ओर तमिलनाडु में अभिनेता विजय की पार्टी तमिलना वेंडी कजगम

यानी टीवीके ने अपने पहले ही चुनाव में इतिहास रचते हुए क्षेत्रीय पहचान को एक नई परिभाषा गढ़ी है. इतना ही नहीं यह जनादेश आगामी 2029 के आम चुनाव के लिए भी एक महत्वपूर्ण आधार तैयार करेगा. स्टालिन की हार और पार्टी का तीसरे स्थान पर खिसकना द्रविड़ राजनीति के इस स्तंभ के लिए आत्ममंथन का समय बनकर उभरा है. जबकि एआईडीएमके के लिए पुनरुत्थान का संकल्प माना जा सकता है.

हर ब्लाक में बनाया जा रहा एक-एक वृंदावन ग्राम

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पशुपालक प्रदेश की आर्थिक समृद्धि का प्रमुख आधार है। किसान कल्याण वर्ष में हमारी सरकार पशुपालकों और दुग्ध उत्पादकों के समग्र कल्याण में भी कोई कसर नहीं रखेगी। गाय का ही या भैंस का, सरकार पशुपालकों से सारा का सारा दूध खरीदेगी और इन्हें दूध का समुचित दाम भी दिलाएगी. मुख्यमंत्री ने अपील करते हुए कहा कि सभी पशुपालक स्वस्थ और उच्च कोटि का पशुधन पालें। सरकार की डा. भीमराव अम्बेडकर कामधेनु योजना का अधिकतम लाभ उठाएँ। पशुपालकों को हर संभव सहायता दी जाएगी।